

खिलाड़ी

नडाल ने तोड़ा जोकोविक का दिल, फाइनल में थिएम से भिड़ेंगे

rajasthanpatrika.com

33 फीसदी आईआईटी पेशेवरों को नहीं मिल रही जॉब

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली . देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी के पासआउट छात्रों का बुरा हाल है। एक रिपोर्ट के अनुसार तीन में से एक को नौकरी नहीं मिल रही है। आंकड़े बताते हैं कि इस साल कुल 66 प्रतिशत छात्रों को ही नौकरी मिली है।

कैंपस प्लेसमेंट में छात्रों को नौकरी के परफेक्ट नहीं माना जा रहा है। मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय को आईआईटी संस्थानों ने जो आंकड़े मुहैया

कराए हैं, उसके मुताबिक 2016-17 में कुल 66 प्रतिशत छात्रों को कैंपस प्लेसमेंट से रोजगार मिला है। जबकि 2015-16 में यह आंकड़ा 79 प्रतिशत और 2014-15 में 78 प्रतिशत था।

देश के 17 आईआईटी संस्थानों के 9,104 छात्रों में इस साल सिर्फ 6,013 को ही नौकरियां मिली थीं। प्लेसमेंट का यह डाटा 17 आईआईटी संस्थानों ने मानव संस्थान विकास मंत्रालय को दिया। देश के 23 आईआईटी संस्थानों में 75 हजार छात्र हैं।



653
को ही नौकरी मिली 974 छात्रों में से आईआईटी रुड़की में

कंपनियां बढ़ीं लेकिन अवसर कम

आने वाली कंपनियां तो बढ़ीं, लेकिन उनके जॉब ऑफर कम हो गए हैं। आईआईटी मद्रास के कैंपस प्लेसमेंट में करीब 665 छात्र शामिल थे, लेकिन जॉब मिली, सिर्फ 521 छात्रों को जिसमें औसतन पैकेज 12.91 लाख का था।

गेट से हो रही भर्तियां

एचआरडी मंत्रालय का कहना है कि हाल ही के वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में गेट के स्कोर के जरिए नियुक्तियां हो रही हैं और इनमें से कई लोग आईआईटी के हैं। मंत्रालय की ओर से कहा गया कि ये आंकड़े कैंपस प्लेसमेंट में शामिल नहीं हैं। हमें किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले इन्हें भी आईआईटी छात्रों के लिए रोजगार अवसरों में शामिल करना चाहिए। मंत्रालय ने आईआईटी छात्रों के लिए रोजगार के अवसर कम होने की बात को खारिज किया है। //